भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. 688
सोमवार, 24 जुलाई, 2023/2 श्रावण, 1945 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

विदेशी पर्यटकों से अर्जित राजस्व

688. श्री फजलूर रहमान:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या कितनी है और पिछले दो वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान उससे कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित की गई है;

(ख) क्या चालू वर्ष के दौरान देश में विदेशी पर्यटकों के आगमन में गिरावट आई है;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) सरकार द्वारा विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने और संबंधित उद्योगों को प्रोत्साहित करने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं या उठाए जाने का विचार है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क): आप्रवासन ब्यूरो से प्राप्त सूचना के अनुसार वर्ष 2021 और 2022 के दौरान देश में विदेशी पर्यटक आगमन (एफटीए) का विवरण निम्नानुसार हैः

क्र. सं.	वर्ष	भारत में एफटीए (लाख में)
1.	2021	15.27
2.	2022	61.91

और वर्ष 2021 तथा 2022 के दौरान पर्यटन के माध्यम से विदेशी मुद्रा आय (एफईई) निम्नानुसार हैः

क्र. सं.	वर्ष	पर्यटन के माध्यम से एफईई (करोड़ रु. में)
1.	2021	65,070
2.	2022[#1]	1,34,543

#1: अनंतिम अनुमान

(ख) और (ग): जी नहीं। आप्रवासन ब्यूरो से प्राप्त अनंतिम आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022 की समान अवधि के दौरान 11.78 लाख एफटीए की तुलना में जनवरी से अप्रैल 2023 के दौरान भारत में 31.34 लाख विदेशी पर्यटक आगमन (एफटीए) दर्ज किया गया।

(घ): पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटकों के आवागमन को बढ़ाने और संबंधित उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए निम्नानुसार विभिन्न कदम उठाए हैं/ पहलें शुरू की हैं:

(i) देश में पर्यटक संबंधी अवसंरचना के विकास के लिए स्वदेश दर्शन योजना आरंभ की गई। पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटक और गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और जिम्मेदार गंतव्यों के विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के रूप में परिवर्तित किया है।

(ii) चिह्नित तीर्थयात्रा स्थलों के एकीकृत विकास के लिए तीर्थस्थान जीर्णोद्धार और आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) संबंधी राष्ट्रीय मिशन आरंभ किया।

(iii) 24x7 टॉल फ्री बहुभाषी पर्यटक हेल्पलाइन

(iv) 167 देशों के नागरिकों के लिए पाँच उप-श्रेणियों यथा ई-पर्यटक वीज़ा, ई-बिज़नेस वीज़ा, ई-चिकित्सा वीज़ा, ई-चिकित्सा सहयोगी वीज़ा और ई-सम्मेलन वीज़ा के लिए ई- वीज़ा की सुविधा प्रदान करना।

(v) ई- वीज़ा का और अधिक उदारीकरण किया गया है और वीज़ा शुल्क में उल्लेखनीय कटौती की गई है।

(vi) पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए 'निश पर्यटन' उत्पादों का विकास और संवर्धन तथा यह सुनिश्चित करना कि जिन विशिष्ट उत्पादों में भारत को तुलनात्मक लाभ है उनके लिए पर्यटकों द्वारा बार-बार यात्राएं की जाएं।

(vii) मंत्रालय के सोशल मीडिया हैंडलों और वेबसाइट के माध्यम से भारत का अपने विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों सहित एक समग्र पर्यटन स्थल के रूप में संवर्धन।

(viii) बेहतर सेवा मानक प्रदान करने के लिए श्रमशक्ति को प्रशिक्षित और उन्नत करने हेतु 'सेवाप्रदाताओं के लिए क्षमता निर्माण' (सीबीएसपी) के तहत कार्यक्रम चलाना।

(ix) देश में एडवेंचर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्वतारोहण/ट्रैकिंग हेतु नई पर्वत चोटियाँ खोली गई हैं।

(x) पर्यटन गंतव्य के रूप में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि के लिए 1001/- रु. से 7,500/- रु. प्रति रात्रि के टैरिफ वाले होटल के कमरों पर जीएसटी 12% और 7,501/- रु. से अधिक के टैरिफ वाले होटल के कमरों पर 18% कर दिया गया।

(xi) पर्यटन मंत्रालय की सिफारिश पर आरसीएस उड़ान योजना के तहत नागर विमानन मंत्रालय द्वारा चिह्नित एयरलाइनों को 59 पर्यटन रूट सौंपे गए हैं जिसके लिए पर्यटन मंत्रालय वीजीएफ (व्यवहार्यता अंतराल वित्तपोषण) के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान करता है। अद्यतन स्थिति के अनुसार इनमें से 51 रूट प्रचालनरत हो गए हैं।

(xii) आगंतुकों के आगमन को बढ़ावा देने के लिए, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने "इन्क्रेडिबल इंडिया! विजिट इंडिया वर्ष 2023" घोषित किया है ।

(xiii) भारत में बौद्ध स्थलों में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या को बढ़ाने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने बुद्ध के जीवन और भारत में बुद्ध तथा बौद्ध धर्म से संबंधित विभिन्न स्थानों/स्थलों पर फोकस करते हुए अंतर्राष्ट्रीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की थी। इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का उद्देश्य भारत में बौद्ध स्थलों पर अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या को बढ़ाना और चीन, वियतनाम, कंबोडिया, श्रीलंका आदि जैसे बौद्ध देशों के युवाओं और विद्यार्थियों में भारत की यात्रा करने की जिज्ञासा पैदा करना था।

(xiv) पर्यटन मंत्रालय, भारत और विभिन्न राज्यों के पर्यटन विभागों ने लंदन में डब्ल्यूटीएम 2022, मैड्रिड में एफआईटीयूआर 2023, बर्लिन में आईटीबी 2023, दुबई में एटीएम 2023 और फ्रैंकफर्ट, जर्मनी में आईएमईएक्स 2023 में भाग लिया। इस भागीदारी के दौरान पर्यटन मंत्रालय ने विदेशी यात्रा ऑपरेटरों, यात्रा एजेंटों और अन्य विभिन्न हितधारकों के साथ बी2बी बैठक की थी। मंत्रालय ने महामारी के पश्चात् अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के स्वागत के लिए भारत की तैयारी के बारे में यात्रा मीडिया को सूचित करने के लिए प्रेस मीट भी आयोजित की। इसके अतिरिक्त भारत पवेलियन ने व्यंजन,

निरोगता, योगा, वन्यजीव और विलासिता आदि जैसे निश पर्यटन उत्पादों सहित विविध पर्यटन उत्पादों को प्रदर्शित किया।

*****